ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 13-10-2023

अरवल(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-14	2023-10-15	2023-10-16	2023-10-17	2023-10-18
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	2.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	35.0	34.0	33.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	23.0	23.0	23.0	22.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	75	80	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	45	50	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	5	5	10
पवन दिशा (डिग्री)	230	180	180	250	250
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	4	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान हल्की वर्षा होने की संभावना है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 40-55 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-85 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 22-23 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 32-35 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

रबी फसलों की बुवाई से पहले किसान अपने-अपने खेतों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा करें। मेड़ों, नालों, खेत के रास्तों तथा खाली खेतों को साफ-सुथरा करें ताकि कीटों के अंडे एवं रोगों के कारक नष्ट हो सके। खेत में गोबर की खाद का उपयोग करें क्योंकि यह मृदा के भौतिक तथा जैविक गुणों को सुधारती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता को भी बढ़ाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी तीन दिनों के दौरान मौसम शुष्क रहने के पूर्वानुमान को देखते हुए सब्जी एवं फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	वर्तमान मौसम की स्थिति धान में ब्लास्ट रोग के संक्रमण के लिए अत्यधिक अनुकूल है। 2-3 दिनों के अंतराल पर निगरानी की सलाह दी जाती है। शुरुआती लक्षणों में प्रकाश केंद्र और अंधेरे सीमाओं के साथ पत्ती में आंखों के आकार दिखाई देता हैं। बाद में इन स्थानों पर बड़े धब्बे बनने के लिए तना हुआ होता है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो बाविस्टिन 2 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव 10 दिन के अंतराल के साथ 2-3 बार प्रभावी नियंत्रण के लिए किया जाता है।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
फील्ड पी	इस मौसम में अगेती मटर की बुआई कर सकते हैं। उन्नत किस्में - पूसा प्रगति, बीज दर 35-40 कि.ग्रा. प्रति एकड़। बीजों को कवकनाशी केप्टान @ 2.0 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दे तथा अगले दिन बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	किसानों को अगेती आलू बोने की सलाह दी जाती है। अगेती आलू की बुवाई से किसानों को अधिक लाभ की प्राप्ति हो सकती है, क्योंकि यह फसल 60-90 दिन में तैयार हो जाती है। उन्नत किस्म- कुफरी सुर्या, कुफरी अशोका, कुफरी पुखराज, कुफरी अरुण। बुवाई से पहले बीजों को फफूंदनाशक से उपचारित करना चाहिए।
प्याज	जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
पौध - संरक्षण	• इस मौसम में किसान अपने खेतों की नियमित निगरानी करें। यदि फसलों व सब्जियों में सफ़ेद मक्खी या चूसक कीटों का प्रकोप दिखाई दें तो नीम-तेल (5 %) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। • सब्जियों (मिर्च, बैंगन) में यदि फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी के लिए फीरोमोन प्रपंच 4-6 प्रति एकड़ की दर से लगाए तथा प्रकोप अधिक हो तो स्पेनोसेड़ दवाई 1.0 मि.ली./4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 13-10-2023

भागलपुर(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-14	2023-10-15	2023-10-16	2023-10-17	2023-10-18
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	2.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	35.0	35.0	34.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	23.0	23.0	23.0	22.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	80	80	85	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	40	50	50
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	5	5	10
पवन दिशा (डिग्री)	250	210	140	180	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	4	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान हल्की वर्षा होने की संभावना है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 40-50 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 80-90 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 22-23 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

रबी फसलों की बुवाई से पहले किसान अपने-अपने खेतों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा करें। मेड़ों, नालों, खेत के रास्तों तथा खाली खेतों को साफ-सुथरा करें ताकि कीटों के अंडे एवं रोगों के कारक नष्ट हो सके। खेत में गोबर की खाद का उपयोग करें क्योंकि यह मृदा के भौतिक तथा जैविक गुणों को सुधारती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता को भी बढ़ाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी तीन दिनों के दौरान मौसम शुष्क रहने के पूर्वानुमान को देखते हुए सब्जी एवं फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	वर्तमान मौसम की स्थिति धान में ब्लास्ट रोग के संक्रमण के लिए अत्यधिक अनुकूल है। 2-3 दिनों के अंतराल पर निगरानी की सलाह दी जाती है। शुरुआती लक्षणों में प्रकाश केंद्र और अंधेरे सीमाओं के साथ पत्ती में आंखों के आकार दिखाई देता हैं। बाद में इन स्थानों पर बड़े धब्बे बनने के लिए तना हुआ होता है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो बाविस्टिन 2 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव 10 दिन के अंतराल के साथ 2-3 बार प्रभावी नियंत्रण के लिए किया जाता है।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
फील्ड पी	इस मौसम में अगेती मटर की बुआई कर सकते हैं। उन्नत किस्में - पूसा प्रगति, बीज दर 35-40 कि.ग्रा. प्रति एकड़। बीजों को कवकनाशी केप्टान @ 2.0 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दे तथा अगले दिन बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	किसानों को अगेती आलू बोने की सलाह दी जाती है। अगेती आलू की बुवाई से किसानों को अधिक लाभ की प्राप्ति हो सकती है, क्योंकि यह फसल 60-90 दिन में तैयार हो जाती है। उन्नत किस्म- कुफरी सुर्या, कुफरी अशोका, कुफरी पुखराज, कुफरी अरुण। बुवाई से पहले बीजों को फफूंदनाशक से उपचारित करना चाहिए।
प्याज	जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
पौध - संरक्षण	• इस मौसम में किसान अपने खेतों की नियमित निगरानी करें। यदि फसलों व सब्जियों में सफ़ेद मक्खी या चूसक कीटों का प्रकोप दिखाई दें तो नीम-तेल (5 %) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। • सब्जियों (मिर्च, बैंगन) में यदि फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी के लिए फीरोमोन प्रपंच 4-6 प्रति एकड़ की दर से लगाए तथा प्रकोप अधिक हो तो स्पेनोसेड़ दवाई 1.0 मि.ली./4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 13-10-2023

भोजपुर(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-14	2023-10-15	2023-10-16	2023-10-17	2023-10-18
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	2.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	35.0	34.0	33.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	23.0	23.0	23.0	22.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	75	80	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	45	50	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	5	5	10
पवन दिशा (डिग्री)	230	180	180	250	250
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	4	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान हल्की वर्षा होने की संभावना है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 40-55 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-85 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 22-23 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 32-35 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

रबी फसलों की बुवाई से पहले किसान अपने-अपने खेतों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा करें। मेड़ों, नालों, खेत के रास्तों तथा खाली खेतों को साफ-सुथरा करें ताकि कीटों के अंडे एवं रोगों के कारक नष्ट हो सके। खेत में गोबर की खाद का उपयोग करें क्योंकि यह मृदा के भौतिक तथा जैविक गुणों को सुधारती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता को भी बढ़ाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी तीन दिनों के दौरान मौसम शुष्क रहने के पूर्वानुमान को देखते हुए सब्जी एवं फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	वर्तमान मौसम की स्थिति धान में ब्लास्ट रोग के संक्रमण के लिए अत्यधिक अनुकूल है। 2-3 दिनों के अंतराल पर निगरानी की सलाह दी जाती है। शुरुआती लक्षणों में प्रकाश केंद्र और अंधेरे सीमाओं के साथ पत्ती में आंखों के आकार दिखाई देता हैं। बाद में इन स्थानों पर बड़े धब्बे बनने के लिए तना हुआ होता है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो बाविस्टिन 2 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव 10 दिन के अंतराल के साथ 2-3 बार प्रभावी नियंत्रण के लिए किया जाता है।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
फील्ड पी	इस मौसम में अगेती मटर की बुआई कर सकते हैं। उन्नत किस्में - पूसा प्रगति, बीज दर 35-40 कि.ग्रा. प्रति एकड़। बीजों को कवकनाशी केप्टान @ 2.0 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दे तथा अगले दिन बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	किसानों को अगेती आलू बोने की सलाह दी जाती है। अगेती आलू की बुवाई से किसानों को अधिक लाभ की प्राप्ति हो सकती है, क्योंकि यह फसल 60-90 दिन में तैयार हो जाती है। उन्नत किस्म- कुफरी सुर्या, कुफरी अशोका, कुफरी पुखराज, कुफरी अरुण। बुवाई से पहले बीजों को फफूंदनाशक से उपचारित करना चाहिए।
प्याज	जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
पौध - संरक्षण	• इस मौसम में किसान अपने खेतों की नियमित निगरानी करें। यदि फसलों व सब्जियों में सफ़ेद मक्खी या चूसक कीटों का प्रकोप दिखाई दें तो नीम-तेल (5 %) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। • सब्जियों (मिर्च, बैंगन) में यदि फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी के लिए फीरोमोन प्रपंच 4-6 प्रति एकड़ की दर से लगाए तथा प्रकोप अधिक हो तो स्पेनोसेड़ दवाई 1.0 मि.ली./4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 13-10-2023

बक्सर(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-14	2023-10-15	2023-10-16	2023-10-17	2023-10-18
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	2.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	35.0	34.0	33.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	23.0	23.0	23.0	22.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	75	80	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	45	50	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	5	5	10
पवन दिशा (डिग्री)	230	180	180	250	250
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	4	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान हल्की वर्षा होने की संभावना है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 40-55 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-85 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 22-23 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 32-35 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

रबी फसलों की बुवाई से पहले किसान अपने-अपने खेतों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा करें। मेड़ों, नालों, खेत के रास्तों तथा खाली खेतों को साफ-सुथरा करें ताकि कीटों के अंडे एवं रोगों के कारक नष्ट हो सके। खेत में गोबर की खाद का उपयोग करें क्योंकि यह मृदा के भौतिक तथा जैविक गुणों को सुधारती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता को भी बढ़ाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी तीन दिनों के दौरान मौसम शुष्क रहने के पूर्वानुमान को देखते हुए सब्जी एवं फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	वर्तमान मौसम की स्थिति धान में ब्लास्ट रोग के संक्रमण के लिए अत्यधिक अनुकूल है। 2-3 दिनों के अंतराल पर निगरानी की सलाह दी जाती है। शुरुआती लक्षणों में प्रकाश केंद्र और अंधेरे सीमाओं के साथ पत्ती में आंखों के आकार दिखाई देता हैं। बाद में इन स्थानों पर बड़े धब्बे बनने के लिए तना हुआ होता है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो बाविस्टिन 2 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव 10 दिन के अंतराल के साथ 2-3 बार प्रभावी नियंत्रण के लिए किया जाता है।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
फील्ड पी	इस मौसम में अगेती मटर की बुआई कर सकते हैं। उन्नत किस्में - पूसा प्रगति, बीज दर 35-40 कि.ग्रा. प्रति एकड़। बीजों को कवकनाशी केप्टान @ 2.0 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दे तथा अगले दिन बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	किसानों को अगेती आलू बोने की सलाह दी जाती है। अगेती आलू की बुवाई से किसानों को अधिक लाभ की प्राप्ति हो सकती है, क्योंकि यह फसल 60-90 दिन में तैयार हो जाती है। उन्नत किस्म- कुफरी सुर्या, कुफरी अशोका, कुफरी पुखराज, कुफरी अरुण। बुवाई से पहले बीजों को फफूंदनाशक से उपचारित करना चाहिए।
प्याज	जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
पौध - संरक्षण	• इस मौसम में किसान अपने खेतों की नियमित निगरानी करें। यदि फसलों व सब्जियों में सफ़ेद मक्खी या चूसक कीटों का प्रकोप दिखाई दें तो नीम-तेल (5 %) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। • सब्जियों (मिर्च, बैंगन) में यदि फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी के लिए फीरोमोन प्रपंच 4-6 प्रति एकड़ की दर से लगाए तथा प्रकोप अधिक हो तो स्पेनोसेड़ दवाई 1.0 मि.ली./4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 13-10-2023

जहानाबाद(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-14	2023-10-15	2023-10-16	2023-10-17	2023-10-18
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	2.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	34.0	34.0	33.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	23.0	23.0	23.0	22.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	80	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	40	50	50
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	5	5	10
पवन दिशा (डिग्री)	230	210	210	250	250
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	5	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान हल्की वर्षा होने की संभावना है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 40-50 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 75-85 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 21-23 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 32-34 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

रबी फसलों की बुवाई से पहले किसान अपने-अपने खेतों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा करें। मेड़ों, नालों, खेत के रास्तों तथा खाली खेतों को साफ-सुथरा करें ताकि कीटों के अंडे एवं रोगों के कारक नष्ट हो सके। खेत में गोबर की खाद का उपयोग करें क्योंकि यह मृदा के भौतिक तथा जैविक गुणों को सुधारती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता को भी बढ़ाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी तीन दिनों के दौरान मौसम शुष्क रहने के पूर्वानुमान को देखते हुए सब्जी एवं फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	वर्तमान मौसम की स्थिति धान में ब्लास्ट रोग के संक्रमण के लिए अत्यधिक अनुकूल है। 2-3 दिनों के अंतराल पर निगरानी की सलाह दी जाती है। शुरुआती लक्षणों में प्रकाश केंद्र और अंधेरे सीमाओं के साथ पत्ती में आंखों के आकार दिखाई देता हैं। बाद में इन स्थानों पर बड़े धब्बे बनने के लिए तना हुआ होता है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो बाविस्टिन 2 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव 10 दिन के अंतराल के साथ 2-3 बार प्रभावी नियंत्रण के लिए किया जाता है।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
फील्ड पी	इस मौसम में अगेती मटर की बुआई कर सकते हैं। उन्नत किस्में - पूसा प्रगति, बीज दर 35-40 कि.ग्रा. प्रति एकड़। बीजों को कवकनाशी केप्टान @ 2.0 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दे तथा अगले दिन बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	किसानों को अगेती आलू बोने की सलाह दी जाती है। अगेती आलू की बुवाई से किसानों को अधिक लाभ की प्राप्ति हो सकती है, क्योंकि यह फसल 60-90 दिन में तैयार हो जाती है। उन्नत किस्म- कुफरी सुर्या, कुफरी अशोका, कुफरी पुखराज, कुफरी अरुण। बुवाई से पहले बीजों को फफूंदनाशक से उपचारित करना चाहिए।
प्याज	जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
पौध - संरक्षण	• इस मौसम में किसान अपने खेतों की नियमित निगरानी करें। यदि फसलों व सब्जियों में सफ़ेद मक्खी या चूसक कीटों का प्रकोप दिखाई दें तो नीम-तेल (5 %) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। • सब्जियों (मिर्च, बैंगन) में यदि फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी के लिए फीरोमोन प्रपंच 4-6 प्रति एकड़ की दर से लगाए तथा प्रकोप अधिक हो तो स्पेनोसेड़ दवाई 1.0 मि.ली./4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 13-10-2023

कैमूर (भभुआ)(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-14	2023-10-15	2023-10-16	2023-10-17	2023-10-18
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	2.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	35.0	34.0	33.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	23.0	23.0	23.0	22.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	75	80	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	45	50	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	5	5	10
पवन दिशा (डिग्री)	230	180	180	250	250
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	4	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान हल्की वर्षा होने की संभावना है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 40-55 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-85 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 22-23 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 32-35 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

रबी फसलों की बुवाई से पहले किसान अपने-अपने खेतों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा करें। मेड़ों, नालों, खेत के रास्तों तथा खाली खेतों को साफ-सुथरा करें ताकि कीटों के अंडे एवं रोगों के कारक नष्ट हो सके। खेत में गोबर की खाद का उपयोग करें क्योंकि यह मृदा के भौतिक तथा जैविक गुणों को सुधारती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता को भी बढ़ाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी तीन दिनों के दौरान मौसम शुष्क रहने के पूर्वानुमान को देखते हुए सब्जी एवं फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	वर्तमान मौसम की स्थिति धान में ब्लास्ट रोग के संक्रमण के लिए अत्यधिक अनुकूल है। 2-3 दिनों के अंतराल पर निगरानी की सलाह दी जाती है। शुरुआती लक्षणों में प्रकाश केंद्र और अंधेरे सीमाओं के साथ पत्ती में आंखों के आकार दिखाई देता हैं। बाद में इन स्थानों पर बड़े धब्बे बनने के लिए तना हुआ होता है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो बाविस्टिन 2 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव 10 दिन के अंतराल के साथ 2-3 बार प्रभावी नियंत्रण के लिए किया जाता है।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
फील्ड पी	इस मौसम में अगेती मटर की बुआई कर सकते हैं। उन्नत किस्में - पूसा प्रगति, बीज दर 35-40 कि.ग्रा. प्रति एकड़। बीजों को कवकनाशी केप्टान @ 2.0 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दे तथा अगले दिन बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	किसानों को अगेती आलू बोने की सलाह दी जाती है। अगेती आलू की बुवाई से किसानों को अधिक लाभ की प्राप्ति हो सकती है, क्योंकि यह फसल 60-90 दिन में तैयार हो जाती है। उन्नत किस्म- कुफरी सुर्या, कुफरी अशोका, कुफरी पुखराज, कुफरी अरुण। बुवाई से पहले बीजों को फफूंदनाशक से उपचारित करना चाहिए।
प्याज	जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
पौध - संरक्षण	• इस मौसम में किसान अपने खेतों की नियमित निगरानी करें। यदि फसलों व सब्जियों में सफ़ेद मक्खी या चूसक कीटों का प्रकोप दिखाई दें तो नीम-तेल (5 %) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। • सब्जियों (मिर्च, बैंगन) में यदि फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी के लिए फीरोमोन प्रपंच 4-6 प्रति एकड़ की दर से लगाए तथा प्रकोप अधिक हो तो स्पेनोसेड़ दवाई 1.0 मि.ली./4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 13-10-2023

लखीसराय(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-14	2023-10-15	2023-10-16	2023-10-17	2023-10-18
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	2.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	35.0	35.0	34.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	23.0	23.0	23.0	22.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	80	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	40	50	50
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	5	5	10
पवन दिशा (डिग्री)	230	210	210	250	250
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	5	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान हल्की वर्षा होने की संभावना है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 40-55 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-85 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 22-23 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 32-35 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

रबी फसलों की बुवाई से पहले किसान अपने-अपने खेतों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा करें। मेड़ों, नालों, खेत के रास्तों तथा खाली खेतों को साफ-सुथरा करें ताकि कीटों के अंडे एवं रोगों के कारक नष्ट हो सके। खेत में गोबर की खाद का उपयोग करें क्योंकि यह मृदा के भौतिक तथा जैविक गुणों को सुधारती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता को भी बढ़ाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी तीन दिनों के दौरान मौसम शुष्क रहने के पूर्वानुमान को देखते हुए सब्जी एवं फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	वर्तमान मौसम की स्थिति धान में ब्लास्ट रोग के संक्रमण के लिए अत्यधिक अनुकूल है। 2-3 दिनों के अंतराल पर निगरानी की सलाह दी जाती है। शुरुआती लक्षणों में प्रकाश केंद्र और अंधेरे सीमाओं के साथ पत्ती में आंखों के आकार दिखाई देता हैं। बाद में इन स्थानों पर बड़े धब्बे बनने के लिए तना हुआ होता है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो बाविस्टिन 2 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव 10 दिन के अंतराल के साथ 2-3 बार प्रभावी नियंत्रण के लिए किया जाता है।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
फील्ड पी	इस मौसम में अगेती मटर की बुआई कर सकते हैं। उन्नत किस्में - पूसा प्रगति, बीज दर 35-40 कि.ग्रा. प्रति एकड़। बीजों को कवकनाशी केप्टान @ 2.0 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दे तथा अगले दिन बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	किसानों को अगेती आलू बोने की सलाह दी जाती है। अगेती आलू की बुवाई से किसानों को अधिक लाभ की प्राप्ति हो सकती है, क्योंकि यह फसल 60-90 दिन में तैयार हो जाती है। उन्नत किस्म- कुफरी सुर्या, कुफरी अशोका, कुफरी पुखराज, कुफरी अरुण। बुवाई से पहले बीजों को फफूंदनाशक से उपचारित करना चाहिए।
प्याज	जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
पौध - संरक्षण	• इस मौसम में किसान अपने खेतों की नियमित निगरानी करें। यदि फसलों व सब्जियों में सफ़ेद मक्खी या चूसक कीटों का प्रकोप दिखाई दें तो नीम-तेल (5 %) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। • सब्जियों (मिर्च, बैंगन) में यदि फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी के लिए फीरोमोन प्रपंच 4-6 प्रति एकड़ की दर से लगाए तथा प्रकोप अधिक हो तो स्पेनोसेड़ दवाई 1.0 मि.ली./4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 13-10-2023

मुंगेर(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-14	2023-10-15	2023-10-16	2023-10-17	2023-10-18
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	2.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	34.0	35.0	34.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	22.0	22.0	22.0	21.0	20.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	80	80	85	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	40	50	50
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	5	5	10
पवन दिशा (डिग्री)	250	210	140	180	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	4	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान हल्की वर्षा होने की संभावना है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 40-50 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 80-90 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 20-22 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

रबी फसलों की बुवाई से पहले किसान अपने-अपने खेतों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा करें। मेड़ों, नालों, खेत के रास्तों तथा खाली खेतों को साफ-सुथरा करें ताकि कीटों के अंडे एवं रोगों के कारक नष्ट हो सके। खेत में गोबर की खाद का उपयोग करें क्योंकि यह मृदा के भौतिक तथा जैविक गुणों को सुधारती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता को भी बढ़ाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी तीन दिनों के दौरान मौसम शुष्क रहने के पूर्वानुमान को देखते हुए सब्जी एवं फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	वर्तमान मौसम की स्थिति धान में ब्लास्ट रोग के संक्रमण के लिए अत्यधिक अनुकूल है। 2-3 दिनों के अंतराल पर निगरानी की सलाह दी जाती है। शुरुआती लक्षणों में प्रकाश केंद्र और अंधेरे सीमाओं के साथ पत्ती में आंखों के आकार दिखाई देता हैं। बाद में इन स्थानों पर बड़े धब्बे बनने के लिए तना हुआ होता है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो बाविस्टिन 2 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव 10 दिन के अंतराल के साथ 2-3 बार प्रभावी नियंत्रण के लिए किया जाता है।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
फील्ड पी	इस मौसम में अगेती मटर की बुआई कर सकते हैं। उन्नत किस्में - पूसा प्रगति, बीज दर 35-40 कि.ग्रा. प्रति एकड़। बीजों को कवकनाशी केप्टान @ 2.0 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दे तथा अगले दिन बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	किसानों को अगेती आलू बोने की सलाह दी जाती है। अगेती आलू की बुवाई से किसानों को अधिक लाभ की प्राप्ति हो सकती है, क्योंकि यह फसल 60-90 दिन में तैयार हो जाती है। उन्नत किस्म- कुफरी सुर्या, कुफरी अशोका, कुफरी पुखराज, कुफरी अरुण। बुवाई से पहले बीजों को फफूंदनाशक से उपचारित करना चाहिए।
प्याज	जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
पौध - संरक्षण	• इस मौसम में किसान अपने खेतों की नियमित निगरानी करें। यदि फसलों व सब्जियों में सफ़ेद मक्खी या चूसक कीटों का प्रकोप दिखाई दें तो नीम-तेल (5 %) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। • सब्जियों (मिर्च, बैंगन) में यदि फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी के लिए फीरोमोन प्रपंच 4-6 प्रति एकड़ की दर से लगाए तथा प्रकोप अधिक हो तो स्पेनोसेड़ दवाई 1.0 मि.ली./4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 13-10-2023

नालंदा(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-14	2023-10-15	2023-10-16	2023-10-17	2023-10-18
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	2.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	35.0	35.0	34.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	23.0	23.0	23.0	22.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	80	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	40	50	50
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	5	5	10
पवन दिशा (डिग्री)	230	210	210	250	250
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	5	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान हल्की वर्षा होने की संभावना है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 40-50 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 75-85 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 21-23 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

रबी फसलों की बुवाई से पहले किसान अपने-अपने खेतों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा करें। मेड़ों, नालों, खेत के रास्तों तथा खाली खेतों को साफ-सुथरा करें ताकि कीटों के अंडे एवं रोगों के कारक नष्ट हो सके। खेत में गोबर की खाद का उपयोग करें क्योंकि यह मृदा के भौतिक तथा जैविक गुणों को सुधारती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता को भी बढ़ाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी तीन दिनों के दौरान मौसम शुष्क रहने के पूर्वानुमान को देखते हुए सब्जी एवं फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	वर्तमान मौसम की स्थिति धान में ब्लास्ट रोग के संक्रमण के लिए अत्यधिक अनुकूल है। 2-3 दिनों के अंतराल पर निगरानी की सलाह दी जाती है। शुरुआती लक्षणों में प्रकाश केंद्र और अंधेरे सीमाओं के साथ पत्ती में आंखों के आकार दिखाई देता हैं। बाद में इन स्थानों पर बड़े धब्बे बनने के लिए तना हुआ होता है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो बाविस्टिन 2 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव 10 दिन के अंतराल के साथ 2-3 बार प्रभावी नियंत्रण के लिए किया जाता है।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
फील्ड पी	इस मौसम में अगेती मटर की बुआई कर सकते हैं। उन्नत किस्में - पूसा प्रगति, बीज दर 35-40 कि.ग्रा. प्रति एकड़। बीजों को कवकनाशी केप्टान @ 2.0 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दे तथा अगले दिन बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	किसानों को अगेती आलू बोने की सलाह दी जाती है। अगेती आलू की बुवाई से किसानों को अधिक लाभ की प्राप्ति हो सकती है, क्योंकि यह फसल 60-90 दिन में तैयार हो जाती है। उन्नत किस्म- कुफरी सुर्या, कुफरी अशोका, कुफरी पुखराज, कुफरी अरुण। बुवाई से पहले बीजों को फफूंदनाशक से उपचारित करना चाहिए।
प्याज	जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
पौध - संरक्षण	• इस मौसम में किसान अपने खेतों की नियमित निगरानी करें। यदि फसलों व सब्जियों में सफ़ेद मक्खी या चूसक कीटों का प्रकोप दिखाई दें तो नीम-तेल (5 %) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। • सब्जियों (मिर्च, बैंगन) में यदि फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी के लिए फीरोमोन प्रपंच 4-6 प्रति एकड़ की दर से लगाए तथा प्रकोप अधिक हो तो स्पेनोसेड़ दवाई 1.0 मि.ली./4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 13-10-2023

पटना(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-14	2023-10-15	2023-10-16	2023-10-17	2023-10-18
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	2.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	35.0	35.0	34.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	23.0	23.0	23.0	22.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	80	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	40	50	50
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	5	5	10
पवन दिशा (डिग्री)	230	210	210	250	250
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	5	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान हल्की वर्षा होने की संभावना है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 40-50 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 75-85 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 21-23 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

रबी फसलों की बुवाई से पहले किसान अपने-अपने खेतों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा करें। मेड़ों, नालों, खेत के रास्तों तथा खाली खेतों को साफ-सुथरा करें ताकि कीटों के अंडे एवं रोगों के कारक नष्ट हो सके। खेत में गोबर की खाद का उपयोग करें क्योंकि यह मृदा के भौतिक तथा जैविक गुणों को सुधारती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता को भी बढ़ाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी तीन दिनों के दौरान मौसम शुष्क रहने के पूर्वानुमान को देखते हुए सब्जी एवं फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	वर्तमान मौसम की स्थिति धान में ब्लास्ट रोग के संक्रमण के लिए अत्यधिक अनुकूल है। 2-3 दिनों के अंतराल पर निगरानी की सलाह दी जाती है। शुरुआती लक्षणों में प्रकाश केंद्र और अंधेरे सीमाओं के साथ पत्ती में आंखों के आकार दिखाई देता हैं। बाद में इन स्थानों पर बड़े धब्बे बनने के लिए तना हुआ होता है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो बाविस्टिन 2 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव 10 दिन के अंतराल के साथ 2-3 बार प्रभावी नियंत्रण के लिए किया जाता है।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
फील्ड पी	इस मौसम में अगेती मटर की बुआई कर सकते हैं। उन्नत किस्में - पूसा प्रगति, बीज दर 35-40 कि.ग्रा. प्रति एकड़। बीजों को कवकनाशी केप्टान @ 2.0 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दे तथा अगले दिन बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	किसानों को अगेती आलू बोने की सलाह दी जाती है। अगेती आलू की बुवाई से किसानों को अधिक लाभ की प्राप्ति हो सकती है, क्योंकि यह फसल 60-90 दिन में तैयार हो जाती है। उन्नत किस्म- कुफरी सुर्या, कुफरी अशोका, कुफरी पुखराज, कुफरी अरुण। बुवाई से पहले बीजों को फफूंदनाशक से उपचारित करना चाहिए।
प्याज	जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
पौध - संरक्षण	• इस मौसम में किसान अपने खेतों की नियमित निगरानी करें। यदि फसलों व सब्जियों में सफ़ेद मक्खी या चूसक कीटों का प्रकोप दिखाई दें तो नीम-तेल (5 %) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। • सब्जियों (मिर्च, बैंगन) में यदि फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी के लिए फीरोमोन प्रपंच 4-6 प्रति एकड़ की दर से लगाए तथा प्रकोप अधिक हो तो स्पेनोसेड़ दवाई 1.0 मि.ली./4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 13-10-2023

रोहतास(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-14	2023-10-15	2023-10-16	2023-10-17	2023-10-18
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	2.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	35.0	34.0	33.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	23.0	23.0	23.0	22.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	75	80	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	45	50	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	5	5	10
पवन दिशा (डिग्री)	230	180	180	250	250
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	4	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान हल्की वर्षा होने की संभावना है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 40-55 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-85 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 22-23 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 32-35 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

रबी फसलों की बुवाई से पहले किसान अपने-अपने खेतों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा करें। मेड़ों, नालों, खेत के रास्तों तथा खाली खेतों को साफ-सुथरा करें ताकि कीटों के अंडे एवं रोगों के कारक नष्ट हो सके। खेत में गोबर की खाद का उपयोग करें क्योंकि यह मृदा के भौतिक तथा जैविक गुणों को सुधारती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता को भी बढ़ाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी तीन दिनों के दौरान मौसम शुष्क रहने के पूर्वानुमान को देखते हुए सब्जी एवं फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	वर्तमान मौसम की स्थिति धान में ब्लास्ट रोग के संक्रमण के लिए अत्यधिक अनुकूल है। 2-3 दिनों के अंतराल पर निगरानी की सलाह दी जाती है। शुरुआती लक्षणों में प्रकाश केंद्र और अंधेरे सीमाओं के साथ पत्ती में आंखों के आकार दिखाई देता हैं। बाद में इन स्थानों पर बड़े धब्बे बनने के लिए तना हुआ होता है। यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो बाविस्टिन 2 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव 10 दिन के अंतराल के साथ 2-3 बार प्रभावी नियंत्रण के लिए किया जाता है।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
फील्ड पी	इस मौसम में अगेती मटर की बुआई कर सकते हैं। उन्नत किस्में - पूसा प्रगति, बीज दर 35-40 कि.ग्रा. प्रति एकड़। बीजों को कवकनाशी केप्टान @ 2.0 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दे तथा अगले दिन बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	किसानों को अगेती आलू बोने की सलाह दी जाती है। अगेती आलू की बुवाई से किसानों को अधिक लाभ की प्राप्ति हो सकती है, क्योंकि यह फसल 60-90 दिन में तैयार हो जाती है। उन्नत किस्म- कुफरी सुर्या, कुफरी अशोका, कुफरी पुखराज, कुफरी अरुण। बुवाई से पहले बीजों को फफूंदनाशक से उपचारित करना चाहिए।
प्याज	जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को प्रति दिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण और कृमि की दवा प्रदान करें और उन्हें छाया में रखें और फर्श ठीक से सूखा और साफ होना चाहिए। नियमित रूप से सुबह और शाम भोजन के साथ एक चम्मच नमक दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
पौध - संरक्षण	• इस मौसम में किसान अपने खेतों की नियमित निगरानी करें। यदि फसलों व सब्जियों में सफ़ेद मक्खी या चूसक कीटों का प्रकोप दिखाई दें तो नीम-तेल (5 %) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। • सब्जियों (मिर्च, बैंगन) में यदि फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी के लिए फीरोमोन प्रपंच 4-6 प्रति एकड़ की दर से लगाए तथा प्रकोप अधिक हो तो स्पेनोसेड़ दवाई 1.0 मि.ली./4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।